prie a दशम decimus - goth. *taihun* pro *tihun* (gr. comp. 82.) e *tahun*; armor. *dek*; hib. *déagh, deich*; lith. *deszimtis, deszim-ts, deszim-t*; slav. *desja-tj*; v. gr. comp. 318.)

दशन *m. n.* (r. दंश् ejectâ nasali, s. अन) dens. Bh. 11. 27. Ragh. 10. 38.

दशम (*f.* मी a दशन् s. म) decimus. N. 14. 12. (Cf. lat. *decimus*, scot. *deicheamh*, hib. *deachmad*.)

दशा *f.* status, conditio, vitae spatium, aetas, *ut juventus*.

दशानन *m.* (*bah.* e दशन् et आनन) cognomen *Râvani*. Ragh. 10. 76.

दशार्ण *m. in Plur.* nomen regionis (Wils.: *A country, part of central Hindostan, lying on the south-east of the* Vindhya *mountains*). N. 17. 15.

दष्ट v. दंश्.

दस् 4. *P.* (उत्क्षेपे) i. q. तस्. (Cf. angl. *toss*, cum tenui pro mediâ secundum generalem regulam, gr. comp. 87.)

c. उप *in dial. Vêd.* diminui. Rig-V. 62. 12.: तव रायो गभस्तौ न क्षीयन्ते नो ऽपदस्यन्ति «tuâ in manu divitiae non pereunt, non diminuuntur».

c. वि *in dial. Vêd.* diminui, interire. Rig-V. 11. 3.: पूर्वीर् इन्द्रस्य रातयो न विदस्यन्ति «larga Indri dona non minuuntur»; 121. 15.: मा सा ते अस्मत् सुमतिर् विदसत् (*praet. mtf.*) «ne ille tuus nobis favor intereat».

दस्यु *m.* (ut mihi videtur, a r. दास् laedere, occidere, correpto आ in अ, s. यु) 1) hostis. Mah. 1. 3153. 2) latro. Ragh. 9. 53. (V. 2. दास्.)

दस्र *m. i. q.* अश्विनौ, v. अश्विन्.

1. दह् 1. *P.* दहामि, अधाक्षिषम् (gr. 103. *b.*), धक्ष्यामि vel दहिष्यामि, दग्धुम् (gr. 103. *a.*) urere; comburere, exurere. Bh. 2. 23.: नै ऽनन् दहति पावकः; Mah. 2. 1140.: ते दह्यन्ते स्म वह्निना; N. 11. 39.: अग्निदग्ध इव द्रुमः; Mah. 1. 1058.: जनमेजयस्य वो यज्ञे धक्ष्यत्य् अनिलसारथिः; Dr. 6. 4.: मनो मे दूयते दह्यते च; N. 15. 15.: दह्यमानः स शोकेन; Gita-Gov. 10. 19. 2.: मदनानलो दहति मे मानसम्. — *Notetur Potent. Futuri* धक्ष्येत्, Mah. 1. 8383.: कथम् अग्निर् न नो धक्ष्येत्. — *Caus.* comburendum curare. Mah. 1. 8309.; वनं वीरौ दाहयामासतुस् तदा; Man. 8. 372.: पुमांसन् दाहयेत् पापं शयने तप्ते. — *Desid.* दिधक्ष्. R. Schl. II. 97. 17.: दिधक्षन् इव तां सेनां रुषितः पावको यथा. (Hib. *daghaim* «I singe, burn», *daighim* id.; *daghte* «singed, burned» = दग्ध; *daighim* «I burn»; lith. *degù* ardeo, *deginu* uro; germ. vet. *tâh-t, dâh-t* ellychnium ad Caus. दाहयामि pertinere videtur, ita gr. δαίω, δα-ίω, ejecto ह; fortasse goth. *dag-s*, Them. *daga*, dies a lucendo dictum, sicut scrt. दिवस et अहन् q. v.; lat. *lig-num*, mutato *d* in *l*, sicut scrt. इध्म lignum ab इन्ध् flagrare (v. Pott. p. 282.); eâdem mutatione nititur gr. λιγνύς.)

c. अनु comburere. R. Schl. II. 63. 41.: न त्वाम् अनुदहेत् क्रुद्धो वनम् अग्निर् इवै ऽधितः.

c. उप *id.* सुप्तान् उपाधाक्षीद् बालकान् वारणावते.

c. नि *id.* Mah. 1. 4454.: पाण्डुपावकम् आसाद्य न्यदक्ष्यन्त नराधिपाः.

c. निस् *id.* Man. 11. 246.: एधस् तेजसा वह्निर् निर्दहति.

c. निस् praef. वि *id.* A. 3. 52.: जगद् विनिर्दहेत् (अस्त्रम्).

c. परि *id.* Bh. 1. 30.: त्वक् चै ऽव परिदह्यते.

c. प्र *id.* Mah. 1. 8362.: प्रदहन् खाण्डवन् दावम्; 1. 2120.: न पावकस् त्वाम् प्रदहिष्यति; R. Schl. II. 94. 15.: न मां शोकः प्रधक्ष्यति.

c. प्र praef. सम् *id.* Mah. 1. 5796.: नस् तत्र हुताशः सम्प्रधक्ष्यति.

c. वि विदग्ध doctus, eruditus, aptus, habilis. Ur. 11. 12. Bhar. 1. 52. 97.

c. सम् comburere. Bhar. 2. 32.: सन्दह्यतां वह्निना. — *Caus.* comburendum curare. Mah. 1. 4954.: घृतावसिक्तं राजानं समदाहयन्.

2. दह् 4. *P.* ardere, flagrare. N. 14. 1.: ददर्श दावन् दह्यन्तम्; Sa. 5. 3.: अङ्गानि चै ऽव सावित्रि हृदयन् दह्यती ऽव च; Mah. 1. 2061.: दह्यन्त्य् अङ्गानि मे.